यहाँ वहा मत डोल प्राणी हरि हरि बोल लिरिक्स

यहाँ वहा मत डोल,
प्राणी हरि हरि बोल,
कर हरि सुमिरन,
हरि मिल जाएंगे।bd।

yaha waha mat dol prani hari hari bol lyrics

तर्ज – लेके पहला पहला प्यार।

सुख वाली उजियाली,
सुबह मिलेगी,
दु:ख वाली अंधियारी,
रात टलेगी,
गम के हट जाए बादल,
खुशियां पाएगा हर पल,
कर हरि सुमिरन,
हरि मिल जाएंगे।bd।

हर लेंगे हरि तेरा,
हर एक संकट,
सुबह शाम दिन रात,
हरि नाम तू रट,
केवल दो अक्षर का नाम,
तेरा कर देगा हर एक काम,
कर हरि सुमिरन,
हरि मिल जाएंगे।bd।

करले भजन प्राणी,
हो के मगन तू,
अपने सुधार ले,
सारे जनम तू,
सच्चा रख इनसे तू प्यार,
तुझको कर देंगे भव पार,
कर हरि सुमिरन,
हरि मिल जाएंगे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भजले नाम हरि का,
सारी ही सृष्टि जपती,
नाम हरि का,
सारी सृष्टि के आधार,
ये है जग के पालनहार,
Bhajan Diary Lyrics,
कर हरि सुमिरन,
हरि मिल जाएंगे।bd।

यहाँ वहा मत डोल,
प्राणी हरि हरि बोल,
कर हरि सुमिरन,
हरि मिल जाएंगे।bd।

Singer – Chetna Shukla

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com